PUBLICATION NAME : DANIK SAVARA .

DATE : 09-07-2013 .

PAGE NO : 06 .

सफेद सूंडी से मुकाबला करने के लिए आधुनिकतम जैव प्रौद्योगिकी तैयार

हिसार, 8 जुलाई (प्रवीन): भारत की कृषि जैव तकनीक कंपनी कैमसन बायोटैक्नोलॉजी लिमिटेड एंटैमोपैथोजेनिक नेमाटोड टैक्नोलॉजी के आधार पर जैविक कीटनाशकों की नवीन श्रृंखला पर अपना ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। कैमसन की जैविक प्रौद्योगिकी ई.पी.एन. की नवीनतम सफलताओं में से एक कैलटर्म सुपर किसानों को अपनी फसलों को हानिकारक सफेद सूंडी, घातक गोलकृमि एवं दीमकों से निजात दिलाने में सहायता करेगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष नायर ने बताया कि यह किफायती, सुरक्षित एवं पर्यावरण-हितैषी है जिसे विभिन्न फसलों एवं अलग मृदा स्थितियों में इस्तेमाल किया जा सकता है तथा यह उन किसानों के लिए संकटमोचन बनकर आया है जो गोलकृमि वर्ग के कीटों से निरंतर परेशान रहते हैं।

PUBLICATION NAME : SHAKTI TIMES .

DATE : 09-07-2013 .

PAGE NO : 07 .

सफेद सूंडी तथा गोलकृमि व दीमकों से किसानों को निजात मिलेगी

हिसार, 9 जुलाई (निस)। भारत की अग्रणी कृषि जैव तकनीक कंपनी कैमसन बायोटेक्नोलॉजीज लिमिटेड एंटैमोपैथोजेनिक नेमाटोड टेक्नोलॉजी के आधार पर जैविक कीटनाशकों की नवीन श्रृंखला पर अपना ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। कैमसन की जैविक प्रौद्योगिकी ईपीएन की नवीनतम सफलताओं में से एक क लटर्म सुपर किसानो को अपनी फ सलों को हानिकारक सफेद सूंड़ी, घातक गोलकृमि एवं दीमकों से निजात दिलाने में सहायता करेगा।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष नायर ने बताया कि यह किफायती, सुरक्षित एवं पर्यावरण-हितैषी है, जिसे भिन्न फसलों एवं भिन्न मृदा स्थितियों में इस्तेमाल किया जा सकता है तथा यह उन किसानो के लिये संकट मोचन बन कर आया है, जो गोलकृमि वर्ग के कीटों से निरंतर परेशान रहते हैं। ईपीएन सफेद सूंड़ी, हानिकारक गोलकृमि, दीमक इत्यादि के संहार के लिये नवीनतम जैव नियंत्रक प्रौद्योगिकी है। गोलकृमि दो प्रकार के होते हैं हानिकारक गोलकृमि जो फसलों को बर्बाद कर देते हैं और लाभदायक गोलकृमि जो हानिकारक गोलकृमियों को नष्ट कर देते हैं। ईपीएन तकनीक ने लाभदायक गोलकृमियों का इस्तेमाल करने की कला में महारथ हासिल कर ली है।